

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

आज के दौर में लोगों ने धन को ही खुशी का माध्यम मान लिया है. यही कारण है कि वह गायब होती जा रही है. पहले गरीबी थी, खुशी थी, बेहतरीन स्वास्थ्य था, स्वास्थ्य से बढ़ा धन हो नहीं सकता है. लेकिन आज हम धन कमाने के लिए स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं और एक समय कमाया धन बीमारी पर खर्च हो जाता है. इसलिए जितने पल खुशी के मिलते हैं, जरूरतें कम कर संतोष परम सुख को जीवन में अपनाएं.

संभाग के 35810 मतदाता तय करेंगे शिक्षक विधायक

विदर्भ स्वाभिमान, 21 अक्टूबर अमरावती- शिक्षक विधायक के लिए शुक्रवार 23 अक्टूबर को मतदान होने जा रहा है. इसमें 26 प्रत्याशियों के भाग्य का जहां फैसला होगा, वहीं दूसरी ओर प्रचार गुरुवार को खत्म हो गया है. संभाग में कुल 35810 मतदाता किसे अपना प्रतिनिधि बनाते हैं, इस पर जहां नजरें लगी हैं, वहीं दूसरी ओर महायुति और महाविकास आघाड़ी में भी कड़ी टक्कर होने की संभावना जताई जा रही है.

सूत्रों के मुताबिक चुनाव के मद्देनजर प्रशासन द्वारा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. हर केन्द्र पर एक केंद्राध्यक्ष, तीन मतदान अधिकारी और एक पुलिस कर्मचारी तैनात रहेगा. कुल 243 अधिकारी-कर्मचारियों को विधान परिषद चुनाव की छूटी पर लगाया गया है. चुनाव मैदान में अमरावती जिले सहित संभाग से 26 प्रत्याशी मैदान में उतरकर भाग्य आजमा रहे हैं. इसमें वर्तमान विधायक किरण सरनाईक का भी समावेश है. मतदान 23 अक्टूबर तथा मतगणना 27 अक्टूबर को होगी. यह अमरावती के लोकशाही भवन में होगी. भारी संख्या में प्रत्याशी रहने तथा बगawat दोनों ही खेमे में रहने से कड़ा मुकाबला होने के आसार हैं. चुनाव में अमरावती के सबसे अधिक 10097 मतदाता हैं. जबकि बुलढाणा 9124, यवतमाल 6932, अकोला 5942 और वाशिम में 3715 मतदाता मतदान कर भावी शिक्षक विधायक तय करेंगे.

पिता के खरीदे घर की मालकिन बेटी ही होगी

हाईकोर्ट का फैसला, पति साबित नहीं कर पाया मालिकाना हक, घर खाली करने का आदेश

विदर्भ स्वाभिमान, 21 अक्टूबर तिरुवनंतपुरम- अगर आपका नाम किसी घर, फ्लैट, अपार्टमेंट, ज़मीन या किसी दूसरी प्रॉपर्टी में रजिस्टर्ड है, तो भी झगड़े की हालत में उस प्रॉपर्टी का मालिकाना हक ज़रूरी नहीं कि आपका ही रहे. केरल हाई कोर्ट ने हाल ही में फैसला सुनाया कि पति-पत्नी के मिलकर खरीदे गए घर का पूरा मालिकाना हक सिर्फ पत्नी को मिलेगा. कोर्ट ने पाया कि पति यह साबित नहीं कर सका कि पत्नी के पिता ने खरीदने में पैसे दिए थे.

कुन्दनकंडी शमशीर बनाम सिल्लन कंस में, केरल हाई कोर्ट ने पति को 3 महीने के अंदर घर खाली

करने का आदेश दिया है. केरल कोर्ट का यह फैसला इस बात पर ज़ोर देता है कि घर खरीदने के लिए किसने पैसे दिए, इसका रिकॉर्ड रखना कितना ज़रूरी है, खासकर उन कपल्स के लिए जो अपने माता-पिता की पैसे की मदद से प्रॉपर्टी खरीदते हैं. ऐसे मामलों में, यह भी साफ़ करना ज़रूरी है कि मालिकाना हक किसे ट्रांसफर करना था.

हालांकि, इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि जिसने प्रॉपर्टी के लिए पेमेंट किया है, वह अपने आप उसका मालिक बन जाता है. प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन, खरीद में शामिल पार्टियों का इरादा और पेमेंट का प्रूफ जैसे सभी मामले भी ज़रूरी हैं.

कोर्ट ने पत्नी के हक में फैसला

क्यों दिया? - केरल के मंजरी म्युनिसिपैलिटी में सात एकड़ ज़मीन पर बने एक घर से जुड़ा एक झगड़ा कोर्ट के दरवाज़े तक पहुँच गया. पत्नी के पिता ने घर खरीदने के लिए उसे 30 लाख की मदद की थी, जिसमें नीलांबुर कोऑपरेटिव अर्बन बैंक से लिया गया 25 लाख का होम लोन भी शामिल था. फिर भी घर पति और पत्नी दोनों के नाम पर रजिस्टर्ड था. ऐसे में पत्नी ने दावा किया कि उसके पिता ने उसके लिए घर खरीदा था, लेकिन शादी के दौरान परिवार को सपोर्ट करने के लिए रजिस्ट्रेशन में उसके पति का नाम जोड़ दिया था.

दूसरी तरफ, पति ने दावा किया कि घर खरीदने के लिए पैसे उसके

जीजा ने दिए थे, जो उसके साथ विदेश में काम करता था. हालांकि, पति अपने दावे के सपोर्ट में कोई डॉक्यूमेंट नहीं दिखा सका और यह भी साबित नहीं कर पाया कि कहा जा रहा पैसा भारत कैसे लाया गया.

दूसरी तरफ पत्नी के पिता के बैंक रिकॉर्ड से यह साबित हुआ कि उन्होंने घर खरीदने के लिए पेमेंट किया था और क्रॉस-एग्जामिनेशन के दौरान पति ने यह भी माना कि पत्नी के पास घर का ऑरिजिनल रजिस्ट्रेशन था और उसने यह डॉक्यूमेंट सब-रजिस्ट्रेशन ऑफिस से लिया था. ऐसे में, बाद में, खरीद से जुड़े सबूतों और हालात की जांच करने के बाद, कोर्ट ने पत्नी के दावे को मान लिया.

दीपावली से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन दौड़ेगी

नई दिल्ली- ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है. 1 नवंबर 2026 से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को शुरू करने की तैयारी की जा रही है. इसके शुरू होने से दो बड़े आर्थिक केंद्रों के बीच लंबी दूरी का रात का सफर आधुनिक सुविधाओं के साथ करने का विकल्प मिल सकता है. वंदे भारत स्लीपर को मुंबई और बेंगलुरु के बीच शुरू किया जा रहा है.

रात के सफर को मिलेगी नई रफ्तार- मुंबई और बेंगलुरु देश के प्रमुख आर्थिक और कारोबारी केंद्र हैं. दोनों शहरों के बीच नौकरी, कारोबार, आईटी सेक्टर और

अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के सिलसिले में बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं. ऐसे में इस रूट पर आधुनिक स्लीपर ट्रेन की शुरुआत लंबी दूरी की रेल कनेक्टिविटी के लिहाज से अहम हो सकती है.

वंदे भारत स्लीपर को लंबी दूरी की यात्राओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. इसमें यात्रियों को बैठकर सफर करने के बजाय सोने की सुविधा के साथ यात्रा करने का विकल्प मिलेगा. इससे रात में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक अनुभव देने की कोशिश की जा रही है.

रियल होलसेल शोर्ट्स की रियल सेल

श्रद्धा मॉल

बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी की छूट ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 ग माला, तखतमल इस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लगभग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक

डायरेक्ट फैक्टरी

सेल

आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शाहू • डिझायनर साड्या • घाघरा ओढवी • सतवार सुट
• ड्रेस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L-2, बिझीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सफाई को लगा भ्रष्टाचार का खतरनाक दीमक

केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता के लिए जहां करोड़ों रूपए खर्च किया जा रहा है, वहीं लोगों में अनुशासनहीनता का अभाव गंदगी बढ़ाने का माध्यम बन गया है. ग्राम पंचायत से लेकर महानगर पालिका और गल्ली से लेकर दिल्ली तक जिस तरह से गंदगी तेजी से बढ़ रही है. गंदगी का संबंध सीधे बीमारियों से है और आज गरीब हो अथवा अमीर मौसम में बदलाव तथा भारी गंदगी के कारण बीमारियों से परेशान है. स्वच्छता में भ्रष्टाचार दीमक की तरह छाया है और सर्वत्र गंदगी ही गंदगी है. अमरावती शहर में गंदगी की समस्या हमेशा ही गंभीर रही है. करोड़ों रूपए खर्च होने के बावजूद गंदगी की स्थिति बरकरार है. नगर तथा कॉलोनी की गलियों से लेकर शहर के प्रमुख स्थानों पर भी जिस तरह से गंदगी का ढेर लगा रहता है और बीमारी के कारण लोग त्रस्त हैं उसके बाद भी जितनी गंभीरता प्रशासन की होनी चाहिए वह नहीं दिखाई देती है. भ्रष्टाचार ने गंदगी की समस्या को और अधिक खतरनाक बना दिया है. इस झमेले में सबसे अधिक तकलीफ गरीब आदमी को होती है. विजयादशमी जैसे पर्व पर लोगों द्वारा सोने की पत्ती देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं. इससे हर तरफ गंदगी का साम्राज्य बढ़ जाता है. कई बार महानगरपालिका द्वारा समचित नियोजन नहीं करने से गंदगी हटाने को कई दिन लग जाते हैं. मनपा को चाहिए थी सफाई के मामले में अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए लोगों के स्वास्थ्य से जारी खिलवाड़ को बंद करने का प्रयास करें. दशहरा पर्व उत्साह, उमंग और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. लेकिन त्योहार के बाद शहर की सड़कों, मैदानों और सार्वजनिक स्थलों पर फैलने वाली गंदगी स्वच्छता व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बन जाती है. रावण दहन के कार्यक्रमों, मेले और लोगों की भारी भीड़ के चलते कागज, प्लास्टिक, खाद्य पदार्थों के पैकेट और अन्य कचरे का ढेर लगता है. लोगों की आदत भी गंदगी के लिए जिम्मेदार है. त्योहार मनाना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है.

अमरावती शहर की साफ-सफाई व्यवस्था सदैव विवादों में रही है. कचरे को कमाई का बेहतरीन माध्यम मान लिया गया है. यही कारण है कि सफाई ठेके का भ्रष्टाचार सदैव चर्चित रहता है. शहर में जिस तरह से सफाई पर करोड़ों रूपए खर्च किया जा रहा है, उसके बाद भी उसका नतीजा नहीं दिखाई दे रहा है तो निश्चित तौर पर यह सोचने का विषय है. सफाई का संबंध सीधे स्वास्थ्य से रहने के बाद भी किसी को कोई लेना-देना नहीं है. यह सोच का विषय है कि स्वच्छता जैसे गंभीर विषय पर हम इतने लापरवाह कैसे हो सकते हैं. लोगों को भी स्वच्छता की आदत बनानी होगी.

लायक बेटा नहीं बनने का दर्द



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



आत्मघाती कदम उठाया. घटनास्थल से मिले सुसाईट नोट में अमर ने अपनी मौत के लिए यद्यपि किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है लेकिन आत्महत्या के पीछे उसकी संवेदनशीलता को कारण माना जा रहा

बाद एकतरफा दबाव के चलते मजबूर हो जाते हैं.

सज्जन व्यक्ति को सदैव तकलीफ होती है लेकिन जो बेशर्म है, जिसने जीवन में अकेले का ही सोचा है, ऐसे संस्कार के अभाव में लोगों की संख्या बढ़ रही है. वह किसी के नहीं होते हैं. जो अपनों के नहीं हो सकते हैं, वह किसी के शायद ही हों. कुल मिलकर हमारे घटते नीतिमूल्यों और संस्कार के पतन का इसे उदाहरण कहना गलत नहीं होगा. गाड़गे नगर पुलिस थाने में कार्यरत अमर तायडे ने बुधवार सुबह मार्डी रोड स्थिति अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिवार के साथ अपनी तस्वीर वाट्सऐप के स्टेटस पर लगाई. बहनों को सुसाईट नोट भेजा, इसके कुछ ही समय बाद

है. तीन पत्रों के सुसाईड नोट में किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराने की जानकारी थानेदार गोरखनाथ जाधव ने दी है. अमर परिवार का इकलौता बेटा था. माता-पिता से अलग रहने को लेकर पत्नी और उसके बीच विवाद होने की चर्चा है. इस बात को लेकर घर में आए दिन होने वाले तनाव से वह मानसिक रूप से व्यथित था. माता-पिता का अच्छा बेटा नहीं बन पाने का दुख उसने व्यक्त करते हुए फांसी पर लटक गया. सवाल यह है कि आखिर इस तरह की स्थिति क्यों पैदा हो रही है. यह कोई पहली घटना नहीं है, इस तरह की बढ़ती घटनाएं हमारे आदर्श संस्कारों के लिए शर्मिंदगी वाली स्थिति है. इस पर समाज को निश्चित ही चिंतन करना चाहिए. बेटियों को संस्कारित करने तथा परिवार का महत्व बताने की जरूरत है.

कर्म को ही पूजा मानते हैं रामेश्वर उपाध्याय

जहां सुमति तह संपत्ती नाना को जीवन सूत्र मानने वाले व्यवसाय रामेश्वर उपाध्यायजी आदर्श परिवार प्रमुख के साथ ही कर्म को ही पूजा मानते हैं. उनके मुताबिक जीवन में सदा एकता का सूत्र पकड़े रखने से सब कुछ हासिल होता है. जवाहरगेट के भीतर उपाध्याय मिठाईयां और उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स के प्रमुख के साथ ही सेवाभाव में सदा अग्रणी रहते हैं. उनका मानना है कि अच्छे कर्म के साथ ही संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय शुभकामनाएं. जीवन में अच्छा करने वाले के साथ भगवान कभी बुरा नहीं होने देते हैं. इसलिए सदैव जीवन में जितना संभव हो सके, अच्छा करने से मन को शांति मिलती है. जीवन में मानवता की सेवा प्रभु सेवा से कम नहीं होती है. काम के साथ ही समय मिलने पर प्रभु का स्मरण, माता-पिता की सेवा का पुण्य सदैव कमाते रहें. यही वह पुण्य होता है जो जीवन के अंतिम समय में भी साथ देता है. सभी को हंसाने का प्रयास करने वालों को सदैव याद किया जाता है. रूलाने वालों को लोग कभी याद नहीं करते हैं. इस आशय का मत सुख्यात



विदर्भ स्वाभिमान



समाजसेवी और व्यवसायी रामेश्वर उपाध्याय ने व्यक्त किया. अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदैव कुछ नया करने की प्रेरणा देता है.

शहर ही नहीं तो समूचे जिले में सेवाभाव, सामाजिक कामों में अग्रणी रहने के साथ ही आदर्श आचार विचार और संस्कारों वाले दिल के राजा व्यक्ति के रूप में रामेश्वर उपाध्याय की पहचान है. उनके 15 अक्टूबर को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक

शुभकामनाएं. वे कामयाबी की बुलंदीपर रहने के बाद भी मिलनसार स्वभाव के धनी हैं. इतना ही नहीं तो मानव सेवा और समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहते हैं. आज के दौर में जहां हर व्यक्ति स्वार्थ से भरा रहता है, वहीं रामेश्वर उपाध्याय कामयाबी के बाद भी आज भी सभी को सम्मान देने के साथ ही उनके मधुर स्वभाव के कारण ही आज उनके कुशल नेतृत्व में संचालित उपाध्याय मिठाईयां जवाहर रोड के भीतर और उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स ग्राहकों की पहली पसंद बना है. वे कहते हैं कि जहां सुमति तह सम्पत्ति नाना, जहां पर समझदारी होती है और एकता होती है, वही परिवार सदैव आगे बढ़ता है.

उनके जन्मदिन 15 अक्टूबर को हजारों की संख्या में मित्र परिवार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु की कामना की. उन्होंने भी सभी की शुभकामनाओं को स्वीकार करने के साथ ही सभी की आत्मीयता और प्रेम के लिए कृतज्ञता जताई. साथ ही यही उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रहने की बात कही. वे कहते हैं कि हम स्वयं को जितना स्वस्थ रखते हैं, उतना ही बेहतरीन रहता है.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती में प्रकाशित किया गया है. मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189. अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है. संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सी.वीणा सुभाषचंद्र दुबे. Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com. www.vidrabhswabhiman.com. rni. no MAHHIN/2010/ 43881

देश की नई आबादी 5 जनवरी को तय होगी

विदर्भ स्वाभिमान, 21 अक्टूबर
लखनऊ- देश में जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं. अगले वर्ष पांच जनवरी को संदर्भ तिथि मानकर देश की नई आबादी का आंकड़ा तैयार किया जाएगा. उत्तर प्रदेश में एक दिसंबर से चार जनवरी तक घर-घर जाकर परिवारों की जानकारी जुटाई जाएगी. इसके बाद पांच जनवरी को जनसंख्या की स्थिति दर्ज होगी. जनगणना निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति से करीब 40 सवाल पूछे जाएंगे. इनमें परिवार, मकान और व्यक्ति

से जुड़ी सामान्य जानकारी के साथ आधार नंबर, बैंक खाते की संख्या, मोबाइल नंबर, वोटर आईडी, भारतीय पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़ी जानकारी भी शामिल है. हालांकि, किसी से कोई कागज या दस्तावेज की प्रति नहीं मांगी जाएगी. देश की 16वीं जनगणना-2027 में आजादी के बाद पहली बार जातीय विवरण भी शामिल किया जा रहा है.

5.62 लाख से अधिक कार्मिक जनगणना में लगेगे. जिलाधिकारी, जिले के प्रधान जनगणना अधिकारी जबकि मुख्य विकास अधिकारी को

पहली बार अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है. नगर निगमों में आपस भी जनगणना की व्यवस्था में अहम भूमिका निभाएंगे. रक्षा क्षेत्रों में सेना के ही कार्मिकों को प्रशिक्षित कर जनगणना का काम कराया जाएगा लेकिन उसकी आबादी को अलग से दर्ज नहीं किया जाएगा. पहले चरण में ड्यूटी कर चुके निजी स्कूलों के शिक्षक दूसरे चरण में भी लगाए जाएंगे.

पिछले वर्ष 31 जनवरी से जनगणना की फ्रीज प्रशासनिक सीमाओं में कोई बदलाव तो नहीं

किया जा सकता, लेकिन नाम बदलने की अनुमति होगी. जनगणना से जुड़े किसी प्रश्न आदि के लिए 1855 हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है. प्रदेश में करीब 7290 गैर-आबाद क्षेत्र भी जनगणना के दायरे में होंगे. निदेशक ने बताया कि जनगणना में किसी भी तरह के कागजात जमा कराने की जरूरत नहीं होगी. विदेश में रहने वाले भारतीयों की गणना तय नियमों के तहत जनगणना निदेशक शीतल वर्मा ने स्पष्ट किया कि एक घर में दो रसोई होने पर उसे दो हाउसहोल्ड नहीं माना जाएगा. परिवार और रहने की स्थिति को देखा जाएगा. बेघर

लोगों की गिनती के लिए चार जनवरी की रात खास तौर पर अभियान चलेगा. उस रात जो खले में सोते मिलेंगे, उनकी गणना बेघर के रूप में की जाएगी.

फ्लाईओवर के नीचे, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और ऐसे ही दूसरे स्थानों पर रहने वालों को इसमें शामिल किया जाएगा. विदेश में रहने वाले भारतीयों की गणना तय नियमों के तहत होगी. लंबे समय से यहां न रहने वालों को नहीं गिना जाएगा. नई आबादी का आंकड़ा वर्ष 2027 के 5 जनवरी को स्पष्ट हो जाएगा.

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी

नई दिल्ली- भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा सहयोग को लेकर बातचीत जारी है. दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने और आपसी आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है. दोनों ही देशों के बीच बातचीत के क्या नतीजे निकलते हैं, इस पर सभी की निगाहें लगी हैं.

महंगे कच्चे तेल से शेयर बाजार पर बढ़ा दबाव

न्यूयार्क- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख देखा गया. तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका के चलते निवेशकों में सतर्कता बनी हुई है. भारत में सुखे के कारण आगामी दिनों में महंगाई में और बढ़ोत्तरी की संभावना जताई जा रही है.

कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विचार

मुंबई- कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए नए प्रोत्साहनों पर विचार किया जा रहा है. इससे किसानों को ऊर्जा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने में मदद मिल सकती है. उल्लेखनीय है कि सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के कारण बिजली का दबाव काफी कम हो रहा है. किसानों को इससे बेहतरीन राहत मिलने की भी संभावना है.

एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली- एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर देश की नजरे टिकी हैं. विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की उपलब्धियां खेल जगत में भारत की पहचान मजबूत करने के साथ दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा को भी सामने ला रही हैं. जिस तरह से दिव्यगों द्वारा इन खेलों में प्रदर्शन किया गया, उससे बढ़ते आत्मविश्वास के साथ संभावनाएं भी बढ़ गई हैं.

कुछ चीजें सिर्फ खबर नहीं होती...

वो हमारे जीवन का हिस्सा होती हैं...

हर दिवाली, सिर्फ घर ही नहीं, रिस्ते भी रोशन होते हैं... और इन रोशनी के बीच, विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक, हमारे घर की एक अनोखी परंपरा है...

दादा की यादें, पिता का अनुभव, बच्चों के सपने और घर की बातें... सब कुछ एक साथ समेटे होता है विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक।

हमारे विशेषांक की खासियत

- विदर्भ की विशेष कहानियाँ
- सफल लोगों के प्रेरणादायक अनुभव
- कृषि, उद्योग और व्यापार के अवसर
- शिक्षा, रोजगार और युवाओं की दिशा
- हमारे शहरों का विकास
- संस्कृति, परंपरा और त्योहारों की रोशनी
- स्वास्थ्य, समाज और जागरूकता
- परिवार के लिए उपयोगी जानकारी
- सुंदर लेख, झोटे फीचर और विशेष सामग्री

सच की आवाज, जनता की ताकत

विदर्भ स्वाभिमान

दीपावली विशेषांक 2026

— हमारे विदर्भ की खुशियों, संघर्षों और संभावनाओं का उत्सव —

इस दिवाली, अपने व्यवसाय का संदेश हजारों परिवारों तक पहुँचाएँ... विदर्भ के हर घर तक...

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

9423426199 / 8855019189

विशाल पाठक वर्ग तक सीधी पहुँच

आपके व्यवसाय की मजबूत पहचान

विश्वसनीय और प्रभावशाली माध्यम

उस सिरि का मैं क्या प्रत्युपकार कर सकती हूँ?

गतांक से जारी- मैं क्या करूँ? यह सोचते मुझे चिंता हो रही है. हे मीन नयना ! मेरे चित्त में यही चिंता है. हरि की इन बातों को सुनकर पद्मावती ने इस रूप में कहा. हे महा स्वामी ! आपको उपाय बताने के लिए मेरे पास इतना विवेक कहाँ ? इस रूप में मुझसे उपाय मांगना क्या न्याय है ? सृष्टि के आरंभ से ही आपके साथ रहते आपको इतना महान बनानेवाली लक्ष्मी को इस रूप में अलग करना ठीक नहीं है. इसलिए किसी भी रूप में उसे मनाकर यहाँ ले आकर मेरे साथ आपके साथ उसे रखिए. तब मैं दासी बनकर आप दोनों की सेवा करती रहूँगी. इससे बढ़कर मेरे मन में और कोई विचार नहीं है. हे इंदिरेश ! और कोई विचार भी नहीं आयेगा. शीघ्र हम दोनों कोल्हापर जाकर लक्ष्मी के मन में रहने वाले गुंप्से को शांत करके दोनों उन्हें यहाँ ले आयेगे. पद्मावती की इन बातों को सुनकर श्रीधर ने इस रूप में कहा. 'सुनो पद्मावती ! मेरे साथ तुम अकेली दांपत्य जीवन जीते हुए एक पल भी मुझसे अलग हुए बिना सदा मेरे साथ रहो. अगर लक्ष्मी आकर मेरे वक्ष पर रहने से तब तुम उसे देखकर सहन कर सकती हो ? मन में चिंता किए बिना रह सकती हो ? विवाह के बाद तुम मेरे साथ आयी हो. लक्ष्मी जब आयी थी वह मेरे वक्ष पर थी. इसलिए तुम्हें दुःख न हो, उसे यहाँ से मैंने जानबूझकर ही जाने दिया है. हरि के इस रूप में कहते सुनकर चिंता करते हुए पद्मावती ने कहा. 'रमा

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

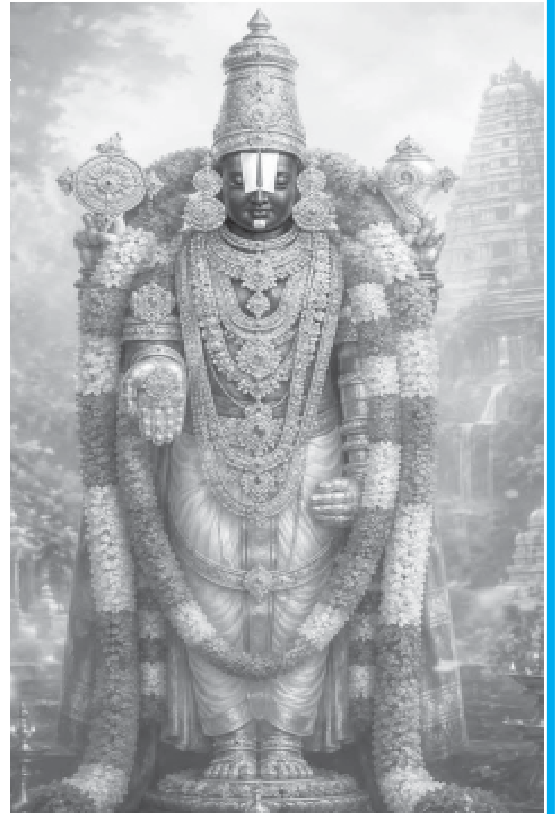
विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साधार लिया जा रहा है. जय गोविंदा, जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsrabhiman.com/9423426199

भामा ! जब यहाँ आयी थी. आपने उन्हें अपने वक्षस्थल पर धारण करने से मुझे क्या कमी हुई है ? उस लक्ष्मी ने तुम्हें और मुझे हित पहुँचाकर सब कुछ किया. सारे कार्यों का कर्ता बनकर रही. उस रमा कांता ने ही आत्मीयता के साथ सीता के रूप में मेरे साथ विवाह करने की बात कही थी. उनके कहने के बाद ही मुझे आपने वेदवती के रूप में समझाकर मेरे साथ विवाह किया. मुझ पर इतनी कृपा करनेवाली उस सिरि का मैं क्या प्रत्युपकार कर सकती हूँ ? किसी भी रूप में उसे यहाँ पर प्रेम से बुलाने से ही हे कमल दलाक्ष ! मैं उस रमामणि के चरणों को

पकड़कर उसकी पूजा करती रहूँगी. मुझे कोल्हापर ले जाइए. वहाँ मैं नाना प्रकार से लक्ष्मी से विनति करके अपने सर्वस्व को उन्हें समर्पित करके, उन्हें बलाकर यहाँ पर ले आऊँगी. कहनेवाली पद्मावती को देखकर हँसते हुए संतोष के साथ श्रीनिवास ने इस रूप में कहा. 'हे सति ! तुम्हारी ललितोक्ति से मुझे संतोष हुआ है. तुम वकला मालिका के पास हित से रहो. मैं अब अति शीघ्र ही लक्ष्मी को यहाँ ले आऊँगा.' कहते श्रीनिवास ने निर्णय किया. इस वृत्तांत के बारे में जानकर लक्ष्मी ने अपने आप में इस रूप में सोचा.

लक्ष्मी का पाताल लोक जाना
श्री वेंकटेश्वर आश्रित जनों की



रक्षा करनेवाले अब मुझे यहाँ पर रहने नहीं देंगे. मुझे शेषाचल पर ले जाने के लिए यहाँ पर आयेगे. तब मैं नहीं आऊँगी' कहने के लिए मेरा मन नहीं करेगा. मेरी जीभ से ऐसी बात नहीं निकलेगी. इसलिए गौरव के

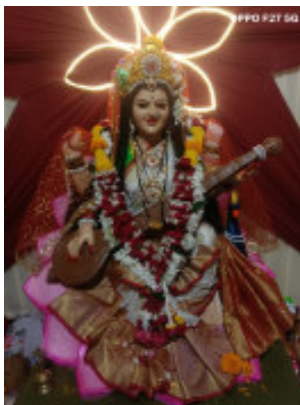
भक्ति भाव से सराबोर है छाया कॉलोनी, जारी है शारदोत्सव की धूम

श्री शारदा महिला मंडल की भक्तिमय पहल, गरबा में सैकड़ों महिलाएं शामिल

विदर्भ स्वाभिमान, 21 अक्टूबर

अमरावती- छाया कॉलोनी में शारदोत्सव के अवसर पर भक्तिमय वातावरण छाया हुआ है. श्री शारदा महिला मंडल की ओर से आयोजित शारदोत्सव में धार्मिक आस्था, उत्साह और महिला शक्ति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है. मां शारदा की आराधना के साथ पूरा परिसर भक्तिमय रंग में रंगा नजर आ रहा है. यहां पर तीन दिनों से भव्य पैमाने पर शारदा उत्सव मनाया जा रहा है. इसको लेकर क्षेत्र में भक्तिभाव के साथ सभी में अपार उत्साह है. सुबह-शाम की आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं. छाया कॉलोनी के साथ ही आसपास के नगरों के भी भक्त गरबा तथा अन्य कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं. बच्चों की संगीत कुर्सी के अलावा अन्य कार्यक्रम भी रोज हो रहे हैं.

छाया कॉलोनी की महिलाओं ने पहले ही वर्ष मां शारदा की स्थापना कर पूजा-अर्चना कर रही हैं. सुबह और शाम की आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं. बच्चों के लिए स्पर्धा के अलावा अन्य धार्मिक कार्यक्रम हो रहा है. शारदोत्सव के दौरान आयोजित गरबा



कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हो रही हैं. पारंपरिक वेशभूषा, गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों और मां की भक्ति से कार्यक्रम की रौनक बढ़ रही है. महिलाएं पूरे श्रद्धाभाव से गरबा करते हुए मां शारदा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त कर रही हैं.

श्री शारदा महिला मंडल की इस पहल से कॉलोनी में धार्मिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा मिल रहा है. शारदोत्सव केवल पूजा-

अर्चना तक सीमित न रहकर महिलाओं को एक साथ आने, अपनी संस्कृति से जुड़ने और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान कर रहा है. मां शारदा की आराधना और गरबा की गूंज के बीच छाया कॉलोनी में उत्सव का उल्लास देखते ही बन रहा है. श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक सहभागिता के साथ जारी यह शारदोत्सव क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. शारदा उत्सव के कारण क्षेत्र में भक्तिभाव की लहर दौड़ी है.

27 को मां का जगराता

रोज सुबह-शाम की आरती में जहां सैकड़ों भक्त शामिल हो रहे हैं, वहीं गरबा में क्षेत्र के साथ आसपास के कॉलोनी तथा नगर की महिलाएं भी सहभागी हो रही हैं. कार्यक्रम की कड़ी में विदर्भ में सुख्यात जय माता दी मानस मंडल के जाने-माने गायक ऋषि भगत दुबे के मां के जगराता का कार्यक्रम 27 की शाम को आयोजित है. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं



रामेश्वर उपाध्याय

युवा सोच, मजबूत इरादे और सेवा का है मन
आप जैसे मित्र से ही बढ़ता है समाज का सम्मान
हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहें आप,
जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खास।



—शुभेच्छुक—

रामेश्वरजी उपाध्याय मित्र परिवार, विदर्भ
स्वाभिमान अखबार परिवार, अमरावती



विदर्भ स्वाभिमान, 21 अकूबर अमरावती- लोकप्रिय जननेता विधायक रवि राणा के नेतृत्व वाली युवा स्वाभिमान पार्टी मानव सेवा तथा समाज सेवा को अत्याधिक महत्व देती है। यही कारण है कि कुछ वर्षों में ही लाखों कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए हैं। सेवा भावना, जनहित के प्रति समर्पण और लोगों के सुख-दुःख में सहभागी बनने पर सदैव जोर रहता है। इस आशय की बात युवा स्वाभिमान पार्टी के नवनियुक्त उपाध्यक्ष राजेश बनारसे ने कही।

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि राणा दम्पति के कुशल नेतृत्व में समाज सेवा को विशेष महत्व देते हैं। राजेश बनारसे का मानना है कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग की जरूरतों को समझें तथा जनहित के कार्यों में अपनी

समाज सेवा को सर्वाधिक महत्व देती है युवा स्वाभिमान पार्टी

शहर उपाध्यक्ष राजेश बनारसे ने कहा, बड़ी पार्टी की लोकप्रियता

भूमिका निभाएं। विधायक रवि राणा को नायक बताते हुए बनारसे ने कहा कि विगत 25 वर्षों से वे पार्टी से जुड़े हैं। पार्टी ने सदैव लोगों को पहले स्थान पर रखा। सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी रहने के कारण लाखों कार्यकर्ता इससे दिल से जुड़े और पार्टी मजबूत कर रहे हैं।

अमरावती ही नहीं विदर्भ के दमदार नेताओं में विधायक रवि राणा का शुमार है। आज युवाओं की सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी बेहद जरूरी है। युवा शक्ति में समाज को नई दिशा देने की क्षमता है। यदि युवा वर्ग सकारात्मक सोच, सेवाभाव और जिम्मेदारी के साथ आगे आए, तो समाज में कई रचनात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। इस दिशा में युवा स्वाभिमान पार्टी प्रयासरत रहने की बात राजेश बनारसे ने कही।

राजनीति की बजाय विकास और सेवाभाव को महत्व देने की बात कहते हुए गडगडुंश्वर प्रभाग की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयास करने और पार्टी मजबूती में योगदान देने का संकल्प जताया। लगातार दूसरी बार उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने पर विधायक राणा के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सदैव

पार्टी मजबूती में स्वयं को झोंकने की बात कही। उनके विचारों में समाज सेवा का अर्थ जरूरतमंदों की सहायता करना, नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना और समाज में आपसी सहयोग की भावना को मजबूत बनाना है। उनका मानना है कि किसी भी सामाजिक या राजनीतिक पद की सार्थकता तभी है, जब उसके माध्यम से आम लोगों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। युवा स्वाभिमान पार्टी से जुड़कर शहर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाना उनके सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण पक्ष है। इस भूमिका के माध्यम से जनसमस्याओं को समझने, युवाओं से संवाद स्थापित करने और सामाजिक विषयों पर सक्रिय रहकर पार्टी को मजबूत करने की बात कही। राजेश बनारसे के अनुसार समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए केवल बातें करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सेवा, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को व्यवहार में उतारना जरूरी है। समाज के प्रति समर्पण और जनहित को प्राथमिकता देने वाली सोच ही एक बेहतर भविष्य की नींव रख सकती है। सभी कार्यकर्ताओं से भाऊ का हाथ मजबूत करने का आग्रह किया।



युवा स्वाभिमान पार्टी के दुबारा शहर उपाध्यक्ष बनने पर राजेशभाऊ बनारसे



को
हार्दिक
शुभकामनाएं।
शुभेच्छुक



छाया कॉलोनी के सभी नागरिक, मित्र परिवार, अमरावती।

विदर्भ स्वाभिमान संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है। सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें। अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार, वरूड में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है। सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं। आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है। इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं। प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा। सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें।

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती।

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है। जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है। आप सुखी परिवार बनें। जीवन में सदैव हो सकें तो अच्छी सोच और अच्छा करने का प्रयास करना। अगर अच्छा नहीं हो तो किसी का बुरा कभी नहीं हो, इतना भी ध्यान रखें तो जिंदगी बोज़ कभी नहीं बन सकती।

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेंटर	1551
नागरिक काल सेंटर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

राजपुराहीत
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी	इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी	
HD व्हिडीओ शूटिंग	इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटिंग	ड्रोन शूट
फोटो अलबम	मोबाईल प्रिंटिंग



नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

सरस्वती नगर में संगीतमय श्रीकृष्ण कथा 25 अक्टूबर से

सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के नौवें वर्धापन दिवस पर आयोजन, 29 अक्टूबर को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

विदर्भ स्वाभिमान, 21 अक्टूबर अमरावती- सेवा, समर्पण और मानवता के संकल्प को साकार करने वाले सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के नौवें वर्धापन दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय सरस्वती नगर में भव्य संगीतमय श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जा रहा है. 25 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित इस धार्मिक एवं सेवाभावी महोत्सव में नागपुर के प्रसिद्ध प्रवचनकार मनोज महाराज मिरकटे (काटपुरकर) अपनी मधुर वाणी से श्रीकृष्ण कथा का रसपान कराएंगे. इस आयोजन से सरस्वती नगर सहित आसपास के क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण निर्मित होने की उम्मीद है. यह जानकारी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनीष पावडे ने दी.

सेवा और मानवता को समर्पित नौ वर्षों का सफर-मनीष पावडे ने अपने पिता स्वामीय रमेशराव पावडे तथा माता पद्मलता पावडे से प्रेरणा लेकर नौ वर्ष पूर्व सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक की स्थापना की थी. उनका उद्देश्य जस्तमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना रहा है. संस्था के माध्यम से

अब तक हजारों जस्तमंदों तक सहायता पहुंचाई गई है.

कोरोना महामारी के कठिन दौर में संस्था ने यह संकल्प लिया था कि कोई भी जस्तमंद भूखा न रहे. मनीष पावडे और उनके सहयोगियों ने निस्वार्थ भाव से जस्तमंदों को भोजन उपलब्ध कराया तथा मास्क वितरण के माध्यम से भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई. कोरोना के बाद नेत्रहीन महिलाओं के विवाह में सहयोग कर संस्था ने अपने सेवाकार्य को नई दिशा दी. इस कार्य में मनीष पावडे की पत्नी वैशाली पावडे भी निरंतर सहयोग कर रही हैं. पावडे दंपती के सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें विभिन्न राज्यस्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है.

भजन-कीर्तन से सजेगा धार्मिक महोत्सव-संस्था के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवाधारी मित्र परिवार के सहयोग से धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है. कार्यक्रम के अंतर्गत 25 अक्टूबर को सरस्वती महिला मंडल, 26 अक्टूबर को ग्रामगीता महिला मंडल, 27 अक्टूबर को लहरी बाबा महिला भजन मंडल तथा 28 अक्टूबर को गुरुदेव सेवा मंडल के महिला भजन मंडल द्वारा



भजन प्रस्तुत किए जाएंगे. इसके बाद 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक श्रीकृष्ण कथा का मुख्य आयोजन मनीष पावडे के निवास स्थान, सरस्वती नगर, अमरावती में होगा.

श्रीकृष्ण कथा महोत्सव का शुभारंभ 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजे सरस्वती नगर से निकलने वाली भव्य कलश यात्रा से होगा. इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा. 1 नवंबर को मनोज महाराज मिरकटे का काल्याचे कीर्तन होगा. इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी. इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के साध-संतों, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों की



गवई, वॉरिष्ठ समाजसेविका पुष्पाताई बोडे, सुभाषराव पावडे सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है. श्री गुरुदेव सेवा मंडल, सरस्वती नगर, सरस्वती एवं लक्ष्मी नगर के महिला भजन मंडल, डॉ. गोविंद कासट मित्र परिवार, अभिनंदन पेढारी मित्र परिवार, वृक्ष संवर्धन अमरावती तथा वसा एनिमल रेस्क्यू सेंटर सहित अनेक सामाजिक संगठनों का सहयोग मिल रहा है. सर्वज्ञ फाउंडेशन ने नागरिकों से इस आयोजन में सहभागी बनने और अपनी श्रद्धा के अनुसार अनाज अथवा आर्थिक

सहयोग देने की अपील की है. सहयोग सर्वज्ञ बुक डेपो, गांधी चौक, अमरावती तथा सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक, सरस्वती नगर, अमरावती में दिया जा सकता है. संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावडे ने श्रद्धालुओं से संगीतमय श्रीकृष्ण कथा में उपस्थित रहकर आयोजन की शोभा बढ़ाने और कथा का लाभ लेने का आग्रह किया है. इस सेवाभावी महोत्सव को सफल बनाने के लिए संस्था के सभी सेवाधारी एवं सहयोगी अथक परिश्रम कर रहे हैं. कथा के बारे में किसी भी तरह की जानकारी अथवा सहयोग के लिए मनीष रमेशराव पावडे से संपर्क करने का आग्रह किया गया है. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी स्वयंसेवकों द्वारा प्रयास किया जा रहा है. अधिकाधिक संख्या में भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. जानकारी के लिए मोबाइल 9096585929 पर संपर्क किया जा सकता है. कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में अपार उत्साह वाली स्थिति है. सभी से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

श्री चालाजी कैटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी,
गोपाल नगर,
अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो. ८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

मंगल मंगलम्

विवाह वस्त्र...

- बनारसी शालु
- लक़्खबस्ता
- घाघरा ओढणी
- लाछा
- डिझाईनर साड्या
- सलवार सुट
- कुर्ती
- ९ वारी पातळे

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में सभी बातें एक जैसी नहीं होती हैं. इसका उदाहरण हमारा शरीर ही है. हमारी पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं होती हैं लेकिन उनमें सदैव बेहतरीन तालमेल होता है. हमारे पैर में कभी विवाद नहीं होता है कि मैं आगे पहले चलता हूं तू बाद में चलता है. उसी तरह जिस परिवार में पति-पत्नी के बीच समझदारी होती है, वहां स्थितियां कैसी भी हों, खुशियां आती रहती हैं. लेकिन जहां समझदारी नहीं होती है, वहां कितनी भी दौलत कभी खुशी नहीं आ सकती है. लेकिन दुर्भाग्यवश आजकल संस्कारों के अभाव में कई बार घर में रहकर भी हम एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं. तनाव और अवसाद के कारण बड़ी घटनाएं हो रही हैं. चार दिन की ज़िंदगी में खुशियां हमारे पास होती हैं लेकिन अहंकार, मैं पन के कारण हम खुशियां ले नहीं पाते हैं. कहीं-कहीं तो परिवार में सब कुछ है लेकिन खुशी नहीं रहने की स्थिति है.

सुभाषचंद्र जे. दुवे, संपादक www.vidarbhswabhiman.com

श्री आनंद एजेंसीज

सर्व प्रकारचे ऑटो, हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज व घरातुली फर्निचर उपलब्ध

उपलब्ध फर्निचर:

- एक्झिक्यूटिव डेस्क
- डायनिंग टेबल
- ऑफिस टेबल
- कोन्फरन्स फर्निचर
- स्टॉल जलबती
- पारिवारिक स्टूल
- स्टोलेज बेंक
- स्कूल / कॉलेज डेस्क
- हॉस्पिटल फर्निचर
- सोफा बेंक
- मॉड्युलर फर्निचर
- किचन व होम फर्निचर

1985 से विवाहित जोडक सेवा में उत्कृष्ट

उत्तम गुणवत्ता, वाजवी दर, संपन्न घर, संपूर्ण सेवा, संपूर्ण सुविधा

राज्यीकर मार्केट, उमानिवा नवीद समोर, बस स्टैंड रोड, अमरावती - 444 602
फोन: 9721 2663062

9422995452
9422156496

Email: prabakaran@anand-easij.com



गुरुवार 22 से 28 अक्टूबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. नवरात्रोत्सव यादगार रहने वाला है. इस दौरान नाहक वाद-विवाद से बचें और आर्थिक रूप से जोखिम नहीं उठाना श्रेयस्कर रहेगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा. सप्ताह भर आनंददायी स्थिति रहेगी और घर में मेहमानों का आगमन होगा.

मेघ- अपनी टीम को साफ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी. घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुरक्षा और कॉन्फिडेंस देगी.

वृषभ- आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा. इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन- अपने जूनियर्स और क्लीर्क की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मजबूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क- आपको काम की जगह पर कोई जिम्मेदार पद या ज़रूरी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह- काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे. जीवन में खुशियाँ बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

कन्या- इस हफ्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौकों मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तला- अच्छी सेहत आपको पूरे हफ्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. परेशानी

दूर होने के आसार हैं.

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मजबूत फ़ाइनैशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हेंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर- काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेंयर और स्पोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सपयर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकते हैं.

कंभ- अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा.

मीन- सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेजी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो. विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.

लघुकथा

पास है
पैसा, तो
ही पूछेंगे
तू है
कैसा !

यह छोटी कहानी आज के दौर में स्वार्थ किस कदर हावी है, इसका बेहतरीन उदाहरण कहा जा सकता है. यह कहानी है वास्तविकता पर आधारित. अगर आपके पास पैसा है तो ही कोई भी आपको महत्व देता है. कई बार आप गरीब होने के बाद अपने ही दुत्कारते हैं लेकिन जब आप कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचते हैं तो न जाने कितने रिश्ते तैयार हो जाते हैं, यह कहानी इसी पर आधारित है. एक छोटे से शहर में दो मित्र रहते थे. एक गरीब था, लेकिन ईमानदार और नेकदिल. दूसरा अमीर था, जिसके पास धन-दौलत की कोई कमी नहीं थी. लेकिन जब अमीर मित्र किसी महफिल में जाता, तो लोग उसे घेर लेते. उसकी

तारीफों के पुल बांधते और उसकी हर बात का ध्यान से सुनते. वहीं गरीब मित्र की अच्छाइयों को कोई पूछने वाला नहीं था. एक दिन गरीब मित्र ने अपने अमीर दोस्त से कहा, भाई, आज मुझे समझ में आया कि इस दुनिया में ईंसान की कीमत उसके गुणों से नहीं, बल्कि उसकी जेब में रखे पैसे से लगाई जाती है. अमीर मित्र ने पूछा-तुम ऐसा क्यों कहते हो? गरीब ने मुस्कुराकर जवाब दिया, जब पास पैसा होता है, तो लोग पूछते हैं तुम कैसे हो? और जब पैसा नहीं होता, तो तुम्हारा हाल पूछना भी ज़रूरी नहीं समझते. कुछ समय बाद अमीर मित्र का कारोबार डूब गया. जो लोग कभी उसके आगे-पीछे घूमते थे, वे उससे दूर हो गए. तब उसे गरीब मित्र की बात का असली अर्थ समझ में आया. गरीब मित्र ने उसे सहाय दिया और कहा-ईंसान की असली पहचान उसकी दौलत नहीं, बल्कि उसका चरित्र और दूसरों के प्रति उसका व्यवहार है. धन दौलत कुछ समय तक रहती है लेकिन ईमानदारी, आपकी कर्मठता और किसी की मुसीबत में की गई मदद सदैव आपको सम्मान दिलाती है.

सीख: पैसा आपको लोगों की भीड़ तो दिला सकता है, लेकिन सच्चा प्यार, सम्मान और अपनेपन का रिश्ता केवल अच्छे संस्कार और नेक कर्म ही दिलाते हैं. याद रखिए दौलत देखकर हाथ मिलाने वाले बहुत मिलेंगे, लेकिन बुरे वक्त में हाथ थामने वाला ही सच्चा ईंसान होता है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199 / 8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात

वाजवी दरात

सर्वात जास्त

प्लाटसचे सौदे

करणारे एकमेव

इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर,

नेहरू

मैदान, अमरावती. फोन

2564125, 2674048

विदर्भ स्वाभिमान सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी, अकोली
रोड, अमरावती.
मो. 9423426199



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सेवा, परमार्थ को समर्पित है भक्तिधाम मंदिर

प्रभु उन्हीं से अधिक खुश होते हैं, जो उनके द्वारा बनाए गए जीवों/मानव को खुशियां देता है। धर्म के साथ ही मानवसेवा तथा परमार्थ के आदर्श केन्द्र के रूप में भक्तिधाम मंदिर का उल्लेख किया जा सकता है। यहां अन्नदान के साथ ही संस्कारों को बढ़ावा देने का काम चार दशकों से जारी है और इसमें गुजराती समाज पूरे समर्पण के साथ लगा हुआ है। इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। सनातन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह परमार्थ को अत्याधिक महत्व देता है। धर्म को मानवता की सेवा से जोड़ने का शानदार संगम बडनेरा रोड स्थित भक्तिधाम मंदिर और जलाराम सत्संग मंडल को कहा जा सकता है। जहां मानवता सेवा की अविरल धारा चलती रहती है। अभी तक चार दशकों से जारी अन्नदान सेवा में लाखों जरूरतमंदों को लाभ हो गया है। सत्य सनातन धर्म के आदर्श पुरुष भगवान श्रीराम जहां हमारे आदर्श पुरुष हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय देवी-देवताओं ने सदैव मानवता की सेवा की ही सीख दी है। भक्तिधाम में जाने-माने व्यवसायी दिलीप अंबानगरी धार्मिक, शिक्षा, संस्कार के साथ ही मानव सेवा के केन्द्र के रूप में भी जानी जाती है। यहां धार्मिकता के साथही अपार सेवाभाव का दर्शन सर्वत्र होता है। इसमें विदर्भस्तर ही नहीं तो महाराष्ट्र स्तर पर सुख्यात भक्तिधाम मंदिर और जलाराम सत्संग मंडल का मानवीय कार्य सभी के लिए बेहतरीन है। यहां पर पिछले 35 साल से अधिक समय से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए

चलने वाली अन्नदान सेवा तो सराहनीय है। इतना ही नहीं तो इसमें बड़ी संख्या में लोगों का जुड़ना और सेवा के लिए तत्पर रहना भी अपने आप में प्रशंसनीय ही है। वैसे भी शहर ही नहीं तो सेवाभाव के लिए गुजराती समाज और उसमें भी दिलीप पोपट परिवार के योगदान की चर्चा समूचे जिले ही नहीं तो विदर्भ में होती है। दिलीपभाऊ ही नहीं बल्कि बेटा तथा पूरा परिवार ही सेवाभाव में किस तरह तल्लीन रहता है, इसका अनुभव स्वयं विदर्भ स्वाभिमान की टीम को आया। गुरुवार को हमेशा भक्तीधाम में आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम में स्वयं सेवा देते हैं। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें अत्याधिक भागदौड़ से मना किया गया है। लेकिन वे कहते हैं कि जिंदगी प्रभु का दिया उपहार है, यह अगर उनके काम नहीं आए तो किस काम का। पूरा पोपट परिवार सचमुच व्यवस्था से लेकर हर मामले में व्यक्तीगत ध्यान देता है। उन्हें पूर्व प्राचार्य अनिल पंड्या, ठक्कर, सुधीरभाई शाह के साथ ही सभी का जिस तरह से सहयोग मिलता है, उसके चलते भक्तीधाम आज जिले ही नहीं तो विदर्भ के आदर्श धार्मिक और मानवसेवा के मंदिर के रूप में सुख्यात है।

मंदिर के प्रबंधन के साथ ही जलाराम सत्संग मंडल की कार्यकारिणी के प्रमुख अध्यक्ष दिलीपभाई पोपट के कुशल नेतृत्व में सभी सेवाभावी उपक्रमों का संचालन किया जाता है। इसमें पूरा गुजराती समाज जिस तरह से योगदान देता है, सेवाएं

देता है, उसकी भी जितनी सराहना की जाए, कम है। विदर्भ स्वाभिमान ने संस्था के बेहतरीन कामों को ध्यान में रखते हुए इसे किशतों में चलाना शुरू किया है। मंदिर में जहां सालभर धार्मिक कार्यक्रम चलते रहते हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता सेवा उपक्रम भी इसकी खूबी है। इन सेवाभावी उपक्रमों में योगदान देने वालों में दिलीपभाई पोपट, किरीटभाई आडतिया, सुरेशभाई राजा, हसमुखभाई कारिया, अमृतभाई पटेल, किशोरभाई भिंडा, राजूभाई आडतिया, राजेशभाई पोपट, अरूणभाई आडतिया, केतनभाई सेठिया, अनिलभाई पंड्या, मनीषभाई तेली, हर्षदभाई उपाध्याय, गोविंदभाई पटेल, लालचंदी गुप्ता, हरीशभाई तन्ना, नितिनभाई गणात्रा, विनोदभाई तन्ना, भावेशभाई दासाणी, किरीटभाई ठक्कर, किरणभाई आडतिया, किरीटभाई गडिया, निलेशभाई हिंडोचा, विनयभाई तन्ना, कमलेशभाई आडतिया, किशोरभाई कारिया, नानुभाई बगडई तथा जीतेन्द्रभाई कारिया का समावेश है। वैसे तो मंदिर में हर दिन अन्नदान रहता है। लेकिन गुरुवार के दिन जिस तरह से प्रसाद का कार्यक्रम रहता है और इससे पहले जिस तरह से रामधुन होती है, वह भोजन के साथ ही सभी को मन की शांति देने वाला भी रहता है। गुजराती समाज के लोगों की सेवाभावना वैसे तो सदैव ही सराहनीय रही है लेकिन स्वयं दिलीपभाई पोपट इस काम में अग्रणी रहते हैं। स्वयं के साथ ही पोपट परिवार के सदस्यों की सेवाभावना भी सराहनीय है। रविवार की रामधुन भी अपार लोकप्रिय



मानवता की सेवा को ईश्वर सेवा मानते हुए बडनेरा रोड स्थित भक्तिधाम मंदिर में अन्नदान के कार्यक्रम के साथ ही सालभर नित-नए आयोजन होते रहते हैं। इससे यहां जहां परमार्थ का भाव आने वाले हर भक्त में होता है, वहीं दूसरी ओर मंदिर परिसर को साफ-सफाई, होने वाली रामधुन हर व्यक्ति को प्रसन्नचित करती है। मंदिर प्रबंधन तथा जलाराम सत्संग मंडल के हर सदस्य का सेवा के प्रति समर्पण निश्चित ही सराहनीय है। गुजराती समाज सचमुच अभिनंदन का पात्र है।

है। मंदिर का बेहतरीन प्रबंधन, गौशाला में गोमाता की सेवा के साथ ही यहां पर धार्मिक, संस्कारित कार्यक्रम लगातार चलते हैं। जहां इस तरह की गतिविधियां होती हैं, वहां तो प्रभु का वास निश्चित ही होगा। यह मंदिर इसी कारण जागृत है, क्यों कि यहां सेवाभाव है।



सुभाष दुबे
संपादक

हमारे यहां

हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में

प्रेस नोट, जन्मदिन के लेख,

विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार,
इसार चिट्ठी सहित साप्ताहिक तथा
दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय
देने का कार्य समुचित दर पर किया जाता है।

- ✓ प्रेस नोट
- ✓ जन्मदिन के लेख
- ✓ विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार
- ✓ इसार चिट्ठी
- ✓ साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय

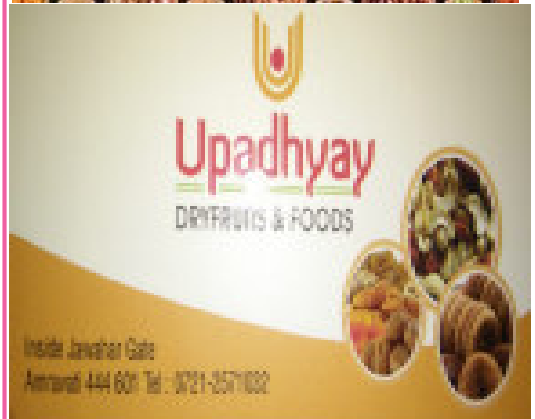


संपर्क

9423426199 / 8208407139

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुड के



Inside Jawahar Gate
Amravati 444 601 Tel : 9721-2571030